अगले 72 घंटे बिहार पर भारी, मौसम विभाग ने किया सावधान, अत्यंत भारी वर्षा की चेतावनी जारी, एनडीआरएफ ने कहा- आकाशीय बिजली से बचने के लिए इन बातों का रखें ध्यान

बिहार में कुदरत ने बरपाया आसमानी कहर, बिजली गिरने से 107 लोगों की मौत, मृतकों के आश्रितों को 4-4 लाख मुआवजा देगी नीतीश सरकार

मोतिहारी के लालबकेया नदी पर तटबंध मरम्मति का नेपाल की ओर से विरोध करने पर डीएम और एसपी ने किया निरीक्षण

कोरोना के इलाज के लिए पतंजलि की ओर से कोरोनिल दवा बनाए जाने के मामले में बाबा रामदेव के सहयोगी ने पलटी मारी, कहा कि उनके अस्पताल में किसी दवा का ट्रायल नहीं हुआ है

युवराज न्यूज़ टुडे

RNI:- BIHHIN05409

NEWS TODAY Update

www.newstodayupdate.in

राष्ट्रीय हिन्दी पाक्षिक

आपकी आवाज़

वर्ष : 06 अंक : 10+26 तिथि : 26 जून 2020 मूल्य : नि:शुल्क प्रधान संपादक : डा. राजेश अस्थाना – 9471005272, 8210595830

email: newstodaymth@gmail.com website : newstodayupdate.in

रजि० कार्यालय : अष्ठाना निवास, मठिया जिरात, मोतिहारी-845401

समाचार एवं विज्ञापन के लिए संपर्क करें- 9471005272

न्यूज़ टुडे लॉक डाउन स्पेशल रोजाना अंक

अगले 72 घंटे बिहार पर भारी, मौसम विभाग ने किया सावधान, अत्यंत भारी वर्षा की चेतावनी जारी, एनडीआरएफ ने कहा- आकाशीय बिजली से बचने के लिए इन बातों का रखें ध्यान

डा. राजेश अस्थाना,
एडिटर इन चीफ,
न्यूज टुडे मीडिया समूह

मौसम विभाग
हाई एलर्ट

बिहार के 18 जिलों में मौसम विभाग ने भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है. जिसमें अगले 72 घंटों में भारी से भी अत्यंत भारी बारिश को लेकर अलर्ट जारी किया गया है. मौसम विज्ञान केंद्र ने बताया है कि संख्यात्मक मौसम मॉडल के आकलन के अनुसार राज्य के अधिसंख्य भागों में अगले 72 घंटों के दौरान भारी से अत्यंत भारी वर्षा एवं वज्रपात की संभावना है.

मौसम विज्ञान केंद्र में अपने अलर्ट में बताया है कि पश्चिमी चंपारण, पूर्वी चंपारण, गोपालगंज, सीवान, शिवहर, सीतामढ़ी, दरभंगा, मुजफ्फरपुर, समस्तीपुर, मधुबनी, सुपौल, अररिया, सहरसा, मधेपुरा, पूर्णिया, किशनगंज एवं कटिहार में भारी से भारी बारिश की संभावना है. मौसम विज्ञान केंद्र ने सभी नागरिकों को सावधानी बरतने एवं सुरक्षा उपाय बरतने की सलाह दी है.

आकाशीय बिजली से बचने के लिए इन बातों का रखें ध्यान

बरसात के दिनों में आकाशीय बिजली अक्सर जानलेवा साबित होती है. खेतों में काम करने वाले, पेड़ों के नीचे पनाह लेने वाले, तालाब में नहाते समय बिजली चमकने पर इसकी आगोश में आने की संभावना अधिक रहती है. पर कुछ उपाय ऐसे हैं जिससे आकाशीय बिजली से बचा जा सकता है. राज्य सरकार के राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग द्वारा भी लोगों को सतर्क रहने के लिए दिशा निर्देश जारी किया गया है.

एनडीआरएफ ने जारी किया जागरुकता वीडियो

आकाशीय बिजली ज्यादातर बरसात के दिनों में गिरती है. इसकी चपेट में वो लोग आते हैं जो खुले आसमान के नीचे, हरे पेड़ के नीचे होते हैं, पानी के करीब होते हैं या फिर बिजली और मोबाइल के टॉवर के नजदीक होते हैं. राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन (एनडीआरएफ) द्वारा जारी एक जागरुकता वीडियो में लोगों को इससे बचने के उपाय बताए गए हैं,

इन बातों का ध्यान रखें :

★जब आप घर के भीतर हों तो बिजली से संचालित उपकरणों से दूर रहें.
★छतरी या मोबाइल फोन का इस्तेमाल न करें.
★तार वाले टेलीफोन का उपयोग नहीं करना चाहिए.
★खिड़कियां व दरवाजे बंद कर दें बरामदे और छत से दूर रहें.
★धातु से बने पाइप, नल, फव्वारा, वाश बेसिन आदि के संपर्क से दूर रहें.
★आसमान के नीचे हैं तो अपने हाथों को कानों पर रख लें.
★अपनी दोनों एड़ियों को जोड़कर जमीन पर पर बैठ जाएं.
★बिजली गिरने के बाद तुरंत बाहर न निकलें.
★अगर किसी पर बिजली गिर जाए, तो फौरन डॉक्टर की मदद मांगे.

कोरोना के इलाज के लिए पतंजलि की ओर से कोरोनिल दवा बनाए जाने के मामले में बाबा रामदेव के सहयोगी ने पलटी मारी, कहा कि उनके अस्पताल में किसी दवा का ट्रायल नहीं हुआ है

ई. युवराज,
मुख्य कार्यकारी अधिकारी,

न्यूज टुडे खोज खबर

कोरोना के इलाज के लिए पतंजलि की ओर से कोरोनिल दवा बनाए जाने के दावे के मामले में बाबा रामदेव के सहयोगी ने पलटी मार दी है। जयपुर की जिस नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंस यूनिवर्सिटी (निम्स) में कोरोना पीडितों पर दवा का ट्रायल करने का बाबा रामदेव ने बुधवार को दावा किया था, उसी यूनिवर्सिटी के चेयरमैन डॉ.बीएस तोमर ने गुरुवार रात को कहा कि उनके अस्पताल में किसी दवा का ट्रायल नहीं हुआ है। उधर, राजस्थान सरकार ने स्वास्थ्य अधिकारियों से कहा है कि पतंजलि की कोरोनिल दवा प्रदेश में बिकनी नहीं चाहिए।

डॉ.तोमर ने कहा कि निम्स के अस्पताल में क्लिनिकल ट्रायल नहीं हुआ है

एक बयान में डॉ.तोमर ने कहा कि बाबा रामदेव जिस दवा का निम्स के अस्पताल में क्लिनिकल ट्रायल का दावा कर रहे हैं, वहां ऐसा कुछ नहीं हुआ। बाबा रामदेव ने गलत बयान दिया है। उन्होंने कहा कि हमने इम्यूनिटी बूस्टर के रूप में अश्वगंधा, गिलोय व तुलसी का प्रयोग किया था। यह केवल इम्यूनिटी बढ़ाने के लिए था,कोई इलाज की दवा नहीं थी। उन्होंने कहा कि मैं नहीं जानता बाबा रामदेव ने शतप्रतिशत इलाज का दावा कैसे किया है। निम्स का बाबा रामदेव के साथ दवा बनाने में कोई सहयोग नहीं था। उल्लेखनीय है कि तोमर ने बुधवार को ही बाबा रामदेव के साथ मीडिया के समक्ष कोरोना की दवा कोरोनिल बनाने का दावा किया था। अब शायद राजस्थान सरकार के बढ़ते दबाव एवं विवाद के चलते तोमर ने यू टर्न ले लिया । तोमर की ओर से आए बयान के बाद उनसे संपर्क करने का प्रयास किया गया,लेकिन संपर्क नहीं हो सका।

चिकित्सा मंत्री ने दिए निरीक्षण के निर्देश

राज्य के चिकित्सा मंत्री डॉ.रघु शर्मा ने विभागीय अधिकारियों से कहा है कि इंडियन काउंसिल आफ मेडिकल रिसर्च (आइसीएमआर) व सरकार की अनुमति के बिना दवा तैयार करना गलत है, इसलिए प्रदेश में कहीं भी इसकी बिक्री नहीं होनी चाहिए। कोरोनिल की बिक्री नहीं हो, इसके लिए जिला मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी निगरानी करेंगे। दवाईयों की दुकानों पर आकस्मिक निरीक्षण किया जाएगा। प्रदेश में पतंजलि के स्टोर्स की भी नियमित निगरानी की जाएगी।

अन्य दवाओं की भी निगरानी

डॉ.शर्मा ने गुरुवार को अधिकारियों को निर्देश दिए कि दिव्य फॉर्मेसी की अन्य दवाओं पर भी निगरानी रखी जाए। उन्होंने कहा कि भारत सरकार के जरिये ड्रग्स एंट कॉस्मेटिक एक्ट 1940 एवं 1945 के तहत 21 अप्रैल 2020 को जारी गजट नोटिफिकेशन के मुताबिक केंद्रीय आयुष मंत्रालय की इजाजत के बिना कोरोना महामारी की दवा के रूप में किसी भी आयुर्वेदिक औषधि को बेचा नहीं जा सकता है। कोरोना महामारी के उपचार की दवा के रूप में किसी भी औषधि को बेचे जाने पर विक्रेता के खिलाफ नियमानुसार सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने एक बार फिर कहा कि अगर राजस्थान में दवा बिकती दिखी तो बाबा रामदेव को जेल होगी। दवा बेचने वाले भी उसके साथ ही जेल जाएंगे। यही बात स्वास्थ्य मंत्री ने बुधवार को भी कही थी ।

बिहार में कुदरत ने बरपाया आसमानी कहर, बिजली गिरने से 107 लोगों की मौत, मृतकों के आश्रितों को 4-4 लाख मुआवजा देगी नीतीश सरकार

रिंकू गिरी,
संवाददाता

आसमानी कहर

बिहार के कई जिलों में लगातार भारी बारिश के बीच आसमानी कहर से जानमाल का भारी नुकसान हुआ है. वज्रपात के कारण बिहार में अब तक 107 लोगों की मौत की सूचना है. शुक्रवार को भी कई जिलों में भारी बारिश के आसार हैं और मौसम विभाग ने लोगों से अपील की है कि वे घरों से बाहर न निकलें. 26 जून को जिन जिलों में भारी बारिश व वज्रपात की आशंका व्यक्त की गई है, इनमें 18 जिलों में खास तौर पर एहतियात बरतने की सलाह दी गई है. मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार, बिहार के 18 जिलों में इसका खास तौर पर इसका प्रभाव रहेगा. प्रभावित होने वाले जिले पश्चिमी चंपारण, पूर्वी चंपारण, गोपालगंज, सीवान, शिवहर, सीतामढ़ी, दरभंगा, मुजफ्फरपुर, समस्तीपुर, सारण, मधुबनी, सुपौल, अररिया, सहरसा, मधेपुरा, पूर्णिया, किशनगंज एवं कटिहार हैं. ऐसे में मौसम विभाग ने लोगों को उचित सावधानी एवं सुरक्षा उपाय बरतने की सलाह दी है.

बिहार के इन जिलों में 107 मौत

गोपालगंज, सीवान, मधुबनी, भागलपुर, मोतिहारी, दरभंगा, बांका, जहानाबाद, शिवहर, समस्तीपुर समेत कई जिलों में आकाशीय बिजली गिरने से 103 से अधिक लोगों की मौत हो गई है. इनमें गोपालगंज में 14, पूर्णिया में 9, औरंगाबाद में 8, मधुबनी में 8, सीवान में 8, नवादा में 8, भागलपुर में 6, बांका में 5, पूर्वी चंपारण में 5, दरभंगा में 5, बांका में 5, खगड़िया में 3, समस्तीपुर में 2, सुपौल में 2, कैमूर में 2, पश्चिम चंपारण में 2, किशनगंज में 2, जहानाबाद में 2, जमुई में 2, बक्सर में 2, सीतामढ़ी में 2, शिवहर में 1, सारण में 1, मधेपुरा में 1, सहरसा में 1 और अररिया में 1 और व्यक्ति की मौत हुई है.

सरकार ने किया मुआवजे का ऐलान

हालांकि सरकारी आंकड़ों के अनुसार अभी ये संख्या 83 है. गुरुवार को इसपर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने गहरी शोक संवेदना व्यक्त की है. मुख्यमंत्री कार्यालय से जारी पत्र में कहा गया है कि राज्य में के विभिन्न जिलों में बिजली गिरने से 83 लोगों की मौत हो गई है. मुख्यमंत्री ने इस पर गहरी शोक संवेदना व्यक्त की है और मृतकों के आश्रितों को चार–चार लाख रुपये अनुग्रह अनुदान देने का निर्देश दिया है. मुख्यमंत्री ने लोगों से अपील की है कि सभी लोग खराब मौसम में पूरी सतर्कता बरतें. खराब मौसम होने पर बिजली गिरने से बचाव के लिए आपदा प्रबंधन विभाग द्वारा समय–समय पर जारी किए गए सुझावों का अनुपालन करें और खराब मौसम में घरों में रहें और सुरक्षित रहें.

मोतिहारी के लालबकेया नदी पर तटबंध मरम्मति का नेपाल की ओर से विरोध करने पर डीएम और एसपी ने किया निरीक्षण

आशीष राज,
स्थानीय संपादक,

पड़ताल

मोतिहारी जिले के ढ़ाका प्रखंड स्थित बलुआ गुआबारी तटबंध की मरम्मति पर नेपाल की ओर से विरोध किया गया. वहीं, काम को भी रोक दिया गया. इसी कारण से डीएम शीर्षत कपिल अशोक और एसपी नवीन चंद्र झा ने तटबंध का निरीक्षण किया.

इस मौके पर डीएम ने तटबंध के विवादित क्षेत्र को छोड़कर बांकी तटबंध के रेनकट की मरम्मत का निर्देश सिंचाई विभाग के अधिकारियों को दिया. साथ ही डीएम ने बताया कि जुलाई में सर्वे टीम आएगी और भारत–नेपाल सीमा का सर्वे और सीमांकन करेगी. लेकिन तबतक मॉनसून को देखते हुए रेनकट मरम्मती का कार्य किया जाएगा.

नेपाल ने तटबंध के 500 मीटर पर किया है अपना दावा

बतादें कि जिले के ढ़ाका प्रखंड के बलुआ गुआबारी तटबंध के 500 मीटर लंबाई पर अपना दावा करते हुए उसे अपनी जमीन बताया है. इसी कारण से लालबकेया नदी के गुआबारी तटबंध पर हो रहे मरम्मति का कार्य रोक दिया गया है. तटबंध के मरम्मति कार्य पर नेपाल की आपत्ति के बाद जिला प्रशासन ने केंद्रीय गृह मंत्रालय, बिहार सरकार और नेपाल में भारतीय वाणिज्य दूतावास को पत्र लिखकर स्थिति से अवगत कराया है.

Yuvaraj Media & Entertainment
बिहार विधानसभा चुनाव में डिजीटल प्रचार के लिए संपर्क करें:
Contact For Advt. (Still & Video), News: +91 9471005272, 8210595830

मोतीझील की सौंदर्यीकरण को लेकर डीएम ने बुद्धिजीवियों संग की बैठक, कहा- मोतिहारी का धरोहर है मोतीझील

अच्छी पहल

आशीष राज,
स्थानीय संपादक,

मोतिहारी समाहरणालय स्थित राधाकृष्णन भवन में जिलाधिकारी शीर्षत कपिल अशोक की अध्यक्षता में जिला से संबंधित विभिन्न महाविद्यालयों के शैक्षणिक प्रतिनिधियों के साथ आयोजित बैठक में मोतीझील की साफ सफाई अभियान एवं इससे जुड़े मुद्दों के संबंध में विचार–विमर्श किया गया। इस अवसर पर डीएम श्री अशोक ने कहा की मोतीझील जिले का अनमोल धरोहर है। जिसका समुचित रख रखाव जनहित में अत्यंत आवश्यक है। कहा कि मोतीझील के जीर्णोद्धार के उद्देश्य से जिला प्रशासन ने साफ सफाई अभियान चलाया है।

जिसमें बड़ी संख्या में आम नागरिकों की भी भागीदारी रही है, जो निसंदेह मोतीझील जीर्णोद्धार के प्रति आम नागरिकों के उत्साह को प्रदर्शित करता है। वर्तमान में मोतीझील से जलकुंभी हटाने का कार्य जल को न केवल स्वच्छ रखने में मदद करेगा, बल्कि नौकायन का संचालन भी संभव हो सकेगा।

बैठक में विभिन्न शैक्षणिक संस्थान प्रतिनिधियों, एनसीसी, स्काउट एवं गाइड एवं एनएसएस प्रतिनिधियों ने मोतीझील जीर्णोद्धार, जल जीवन हरियाली अभियान, शहर की साफ सफाई और ऊर्जा संरक्षण के संदर्भ में अपने सुझावों से जिला प्रशासन को अवगत कराया।

जिलाधिकारी ने प्राप्त सुझावों की अनुसार नियमानुकूल आवश्यक कार्रवाई का निर्देश दिया है। मौके अपर समाहर्ता शशि शेखर चौधरी, विभिन्न महाविद्यालयों के प्रतिनिधि आदि उपस्थित थे।

जल-जीवन- हरियाली को लेकर मनरेगाकर्मियों का प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू, तीन दिवसीय प्रशिक्षण शिविर में जिले के २७ प्रखंडों मनरेगाकर्मी ले रहे हैं भाग

मनरेगा प्रशिक्षण

रिंकू गिरी,
संवाददाता

पूर्वी चंपारण जिले के पीपराकोठी प्रखंड स्थित वन विभाग के नर्सरी में बुधवार को को जल जीवन एवं हरियाली को लेकर प्रखंडवार मनरेगाकर्मियों को शिविर के माध्यम से प्रशिक्षण देने की शुरुआत हुई। ग्रामीण विकास विभाग की ओर से आयोजित इस तीन दिवसीय प्रशिक्षण शिविर में अलग अलग पालियों में जिले के 27 प्रखंडों मनरेगाकर्मी भाग लेगें। पहले दिन के प्रशिक्षण शिविर की अध्यक्षता वन प्रक्षेत्र पदाधिकारी अवधेष ठाकुर ने किया।

पहले दिन पांच पालियों में मोतिहारी, कोटवा, तुरकौलिया, सुगौली, बंजरिया, चकिया, मेहसी, केसरिया, कल्याणपुर व पीपराकोठी सहित कुल दस प्रखंडो के कर्मियों को प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण में कर्मियों खेतों कम से पानी का खपत करने और अधिक से अधिक पेड़ पौधे लगाकर हरियाली बढ़ाने व साफ–सफाई पर विशेष ध्यान देने पर चर्चा की गयी। वन प्रक्षेत्र श्री ठाकुर ने कहा कि जिस तरह पानी का स्तर नीचे गिरता जा रहा है, ऐसे में जल संरक्षण बेहद जरूरी है। फसल सिंचाई में किसान कम से कम पानी का खपत करें, इसके लिए किसानों को प्रेरित करें।

किसान सिंचाई के लिए ड्रिप इरिगेशन, प्रिरंकलर, रेन गन के प्रयोग को बढ़ावा दें। जल संचय के लिए चेक डेम बनाने, खेतों के मेड़ को ऊंची करने व अनावश्यक रूप से बहने वाले पानी को खेतों के निचले इलाके में स्टोर करने आदि के बारे में जागरूक करें। वही मनरेगा पीओ रत्नेश कुमार ने कहा कि अधिक से अधिक पेड़ पौधे लगाने के लिए किसानों को प्रेरित करें। आम, केला आदि फलदार पौधे आदि लगाकर हरियाली बचाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि इससे न सिर्फ पर्यावरण संतुलित रहेगा बल्कि पानी की कमी नहीं होगी। मौके हरिशंकर प्रसाद, प्रमोद कुमार अरविंद कुमार व सुनील कुमार शर्मा सभी सहित प्रखंडों के पंचायत रोजगार सेवक, पंचायत तकनीकी सहायक व वन विभाग के कर्मी मौजूद थे।

आपातकाल दिवस पर जेपी सेनानियों को सम्मानित करते हुए सांसद राधामोहन सिंह ने कहा- सत्ता के लिए इंदिरा गांधी ने लगाया था आपातकाल

सम्मान

संतोष राऊत
न्यूज टुडे,

रेलवे स्टैंडिंग कमिटी के चेयरमैन, मेतिहारी सांसद सह पूर्व केंद्रीय कृषि मंत्री राधामोहन सिंह ने कहा कि विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र में आज से 45 साल पहले आज के दिन देश में आपातकाल लगाया गया। तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने अपनी सत्ता की कुर्सी के लिए आपातकाल के माध्यम से लोकतंत्र की हत्या कर दी थी। जिससे दुनिया में भारत की लोकतंत्र व्यवस्था को बदनाम कर दिया गया। सांसद श्री सिंह मोतिहारी नगर भवन में भाजपा युवा मोर्चा के तत्वावधान में आयोजित 25 जून आपातकाल दिवस पर जेपी सेनानियों के सम्मान समारोह को संबोधित कर रहे थे।

इस अवसर पर विनय कुमार वर्मा, राजीव शंकर वर्मा, प्रमोद शंकर सिंह, ध्रुव प्रसाद, गणेश प्रसाद, कुमार शिवशंकर, बलदेव प्रसाद, विजय जायसवाल, मिथिलेश कुमार वर्मा, प्रदीप कुमार गुप्ता एवं देवेंद्र कुमार श्रीवास्तव को सम्मानित किया गया।

मौके पर कला–संस्कृति एवं युवा विभाग बिहार सरकार के मंत्री प्रमोद कुमार, विधायक सचिंद्र प्रसाद सिंह, श्यामबाबू यादव, भाजपा जिलाध्यक्ष प्रकाश अस्थाना, जिला महामंत्री द्वय डॉ. लाल बाबू प्रसाद एवं मार्तण्ड नारायण सिंह, आईटी सेल जिला संयोजक पंकज सिन्हा एवं अन्य लोग उपस्थित थे।

पिपरा विधानसभा में बिहार जन संवाद सह वर्चुअल रैली में सांसद राधामोहन सिंह ने कहा- हमारे सैनिकों से कहीं अधिक हताहत हुए चीनी सैनिक

वर्चुअल रैली

डा. राजेश अस्थाना,
एडिटर इन चीफ,

मोतिहारी सांसद, रेलवे स्टैंडिंग कमिटी के चेयरमैन सह पूर्व केंद्रीय कृषि मंत्री राधा मोहन सिंह ने कहा कि अभी भारत–चीन सीमा पर तनाव है। वर्ष 1962 में हमारे पास संसाधन की कमी थी।आज हमने कठिन सीमाओं पर महत्वपूर्ण सड़कों का निर्माण किया है। केंद्र की सरकार ने सेना के लिए बड़े पैमाने पर आध ाुनिकतम हथियार उपलब्ध कराए हैं। देश के कुछ नेता दुष्प्रचार कर सेना और आम जनता के मनोबल को तोड़ने का कुकृत्य किया। चीन में तानाशाही है और हमारे यहाँ लोकतंत्र है।वहां समाचारों पर सेंसर है लेकिन हमारे यहाँ जनता तक समाचारों को पहुंचना हमारा दायित्व है।

श्री सिंह आज जिले के पिपरा विधानसभा में भाजपा के बिहार जन संवाद वर्चुअल रैली को संबोधित कर रहे थे। जिसकी अध्यक्षता भाजपा जिलाध्यक्ष प्रकाश आस्थाना एवं संचालन जिला महामंत्री डॉ. लालबाबू प्रसाद ने किया। हमने आंकड़े छुपाए नहीं है। चीन की सेनाओं में हताहत होने वालों की संख्या हमारे देश से अधिक है।

श्री सिंह ने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा प्रावधान किए गये विशेष पैकेज के माध्यम से आत्मनिर्भर भारत का सपना साकार होने के पथ पर अग्रसर है। जनधन खाता के माध्यम से करोड़ों लोगों को आर्थिक सहायता पहुंचाई गई।इस विकट कोरोना संक्रमण काल में गरीबों,बेरोजगारों और खासनकर किसानों के साथ छोटे–बड़े उद्यमियों की सहायता के लिए केंद्र की मोदी सरकार अपने संवेदनशील चरित्र के साथ जिम्मेवार भूमिका निभा रही है। मोदी सरकार आने के बाद नई तकनीक को हथियार बनाते हुए समृद्धि और विकास के नए अध्यायों की रचना हो रही है।

कृषि आधारित उत्पाद में निर्माण और उत्पादन में पिपरा विधानसभा के लोगों अग्रणी हैं।पिपराकोठी में स्थित महात्मा गांधी समेकित कृषि अनुसंधान केंद्र के माध्यम से हजारों किसानों को कृषि की विभिन्न प्रकार की आधुनिक तकनीक से लैस कर के उनकी समृद्धि के नए द्वार खोले गए। श्री सिंह ने कहा कि डॉ. श्याम प्रसाद मुखर्जी ने कहा था कि एक देश में दो निशान, दो विधान और दो प्रधान नहीं चलेगा और इसके लिए उन्होंने बलिदान दिया। केंद्र की मोदी सरकार ने कश्मीर से धारा 370 को हटा कर उनके सपनों को साकार करते है देश को एक सूत्र में बांधने का पुनीत कार्य किया।राम मंदिर के निर्माण की चिर प्रतीक्षित मांग पूरी हुई और मुस्लिम महिलाओं को न्याय और सम्मान मिला है।

वर्चुअल रैली में बिहार के स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय ने कहा कि आज देश सुरक्षित हाथ में है।भारत–चीन सीमा पर हमारे जो जवान शहीद हुए वे चीनियों को सबक सिखाते हुए शहीद हुए हैं।सेना को शत्रुओं से निपटने के लिए पूरी आजादी है और आज चीन बैक फुट पर आ गई है।

कहा कि कोरोना महामारी के चलते उत्पन्न हुई आपात स्थिति से निपटने ले लिए केंद्र सरकार ने उचित समय पर लॉक डाउन का उचित निर्णय लेकर हालात को बेकाबू होने से बचाया। जिलाध्यक्ष प्रकाश आस्थाना ने कहा कि जब प्रधानमंत्री ने वर्ष 2014 में डिजिटल इण्डिया की परिकल्पना कर उसकी घोषणा की तो विपक्षियों द्वारा माखौल उड़ाया गया था। आज कोरोना संक्रमण काल में करोड़ों जनधन खाता ध ाारियों के खाते में आर्थिक सहायता इसी डिजिटल माध्यम से पहुंचाई गई।

पिपरा विधायक श्यामबाबू यादव ने कहा कि यह मोदी जी के डिजिटल इण्डिया की परिकल्पना का ही प्रतिफल है कि हम बिहार जन संवाद के माध्यम से जुड़ कर महत्वपूर्ण संवाद कार्यक्रम के सहभागी बन पा रहे हैं।

वाल्मीकिनगर वन प्रक्षेत्र में आया दो नन्हा मेहमान, दो शावकों के जन्म लेने के बाद अब बाघों की संख्या हुई 42, कैमरे के माध्यम से दोनों शावकों पर रखी जा रही है नजर

उपलब्धि

सम्राट, संवाददाता

वाल्मीकिनगर वन प्रक्षेत्र में दो शावकों के जन्म लेने के बाद अब बाघों की संख्या 42 हो गई। जंगल में आये दो नये मेहमानों से महज 10 वर्षों में बाघों की संख्या उत्साहजनक हो गई है।

रखी जा रही निगरानी, 10 साल में दोगुनी हुई संख्या

दोनों शावकों की रक्षा के लिए एक टीम गठित कर दी गई है। टीम के कैप्टन ने बताया कि दोनों बाघों को अलग से ही नजर रखी जा रही है। दोनों शावक अपनी गुफाओं में माता बाघिन की देखरेख में चौन की सांस ले रहे हैं।

दोनों शावकों के जन्म की जानकारी वन पदाधिकारियों को पेड़ों पर लगे कैमरे से हुई। जानकारी मिलते ही जंगल में खुशी छा गई। विश्व में अजूबे नस्ल के लिए अर्थात अपने डीएनए को लेकर प्रख्यात है। मिली जानकारी के अनुसार, टीम उन तमाम चीजों की व्यवस्था कर दी है जो एक शावक को तथा उसकी माता को चाहिए।

कैमरे के माध्यम से दोनों शावकों पर लगातार रखी जा रही है नजर

वन के एक अधिकारी ने बताया कि कैमरे से जैसे ही जानकारी मिली वैसे ही एक टीम गठित कर उसकी निगरानी के लिए अवश्यक सामग्रियां उपलब्ध करा दी गई। जानकारी मिली कि उसके आसपास जाने के लिए टीम को सख्ती से मना कर दिया गया। कारण कि इस समय माता बाघिन काफी संवेदनशील हो जाती है। उसके आसपास जाने पर हमला भी कर सकती है।

हालांकि उसका कोई निश्चित ठिकाना नहीं रहता कारण कि बिल्ली प्रजाति के इस जानवर एक जगी रहता ही नहीं। वह अपने शावक को मुंह में टांगे घूमते रहती है, पर रात में अपनी निश्चित गुफा में जाकर सो जाती है।

NEWS TODAY Update — Web News Portal: www.newstodayupdate.in
न्यूज़ टुडे — राष्ट्रीय हिन्दी मासिक पत्रिका
Yuvaraj Media & Entertainment — An Ideal Film Production
बस एक क्लिक कीजिए
देश दुनिया की खबर के साथ अपनी खबर भी देखिए
www.newstodayupdate.in
A Fast Growing Web News Portal
Contact For Advt. (Still & Video), News: +91 9471005272, 8210595830

युवराज मीडिया एंड एंटरटेण्मेंट की घोषित चम्पारण की पावन धरती पर बन रही भव्य वेब सीरिज एवं फीचर फिल्म की शुटिंग शीघ्र शुरू होगी ।

निर्माता:9471005272

NEWS TODAY Update | युवराज न्यूज़ टुडे आपकी आवाज | RNI:- BIHHIN05409

News Today Digital Paper Tarrif

Back Page Full	: 27.94 X 43.18 cm	= 55000.00
Back Page Half	: 13.97 X 21.59 cm	= 30000.00
Back Page Quarter	: 06.98 X 10.79 cm	= 20000.00
Complimentery Ad	: 04.00 X 06.00 cm	= 5000.00

Inner Page 25% less of all Tarrif

Portal Tarrif

PARTICILAR	DAILY (MIN. 15 DAYS)	MONTHLY	YEARLY
HEADER :	2000	50,000	5,00,000
UNDER NEWS :	1000	25,000	2,50,000
SIDE, MIDDLE & OTH :	1500	35,000	3,50,000

Yuvaraj Media & Entertainment
बिहार विधानसभा चुनाव में डिजीटल प्रचार के लिए संपर्क करें:

Yuvaraj Media & Entertainment
बिहार विधानसभा चुनाव में डिजीटल प्रचार के लिए संपर्क करें:
Contact For Advt. (Still & Video), News: +91 9471005272, 8210595830